कुमाऊँ फैन पाम संरक्षणाधीन

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड वन अनुसंधान विंग ने **पिथौरागढ़ की पातालथौड़ नर्सरी में इस देशी पौधे के 300 पौधे उगाकर** एक एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

मुख्य बिंदु:

- यह पहल **कुमाऊँ पाम/ताड़ को पुनर्जीवित और संरक्षित** करने के प्रयास में शुरू की गई थी, जिसे **कुमाऊँ फैन पाम** के नाम से भी जाना जाता है।
- यह **शून्य से भी कम तापमान में जीवित रहने वाली एकमात्र ताड़ की प्रजाति है** और इसे **विश्व की सबसे कठोर ताड़ कहा जाता है।**
- वन अनुसंधान विंग के अनुसार, पौधों की प्रजातियों को अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) और **उत्तराखंड जैवविविधता बोर्ड** दोनों द्वारा **'संकटग्रस्त'** के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

//

कुमाऊँ फैन पाम

- ताड़ का पेड़ उत्तर-पश्चिमी भारत में **उत्तराखंड प्रांत के कुमाऊँ मंडल** और निकटवर्ती पश्चिमी नेपाल में पाया जाता है।
- ताड़ **1,800-2,700 मीटर (5,900-8,900 फीट) की ऊँचाई पर उगता** है और यह अपने मूल स्थान में नियमित आधार पर बर्फ तथा ठंड प्राप्त करता है।
- इसका **वैज्ञानिक नाम ट्रेचीकार्पस टाकिल (Trachycarpus takil) है।**

अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ

- यह एक **सदस्यता संघ** है जो विशिष्ट रूप से **सरकार और नागरिक समाज दोनों संगठनों** से बना है।
- **वर्ष 1948 में बनाया गया,** यह प्राकृतिक जगत की स्थिति और इसकी सुरक्षा के लिये आवश्यक उपायों पर वैश्विक प्राधिकरण है।
- इसका मुख्यालय **स्विट्ज़रलैंड** में है।
- IUCN द्वारा जारी की जाने वाली **रेड लिस्ट विश्व की सबसे व्यापक** सूची है, जिसमें पादप और जंतु प्रजातियों की वैश्विक संरक्षण की स्थिति को दर्शाया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kumaon-fan-palm-under-conservation